सामाजिक संस्था संपूर्णा
(गैर सरकारी संगठन)
संपूर्ण विकास की ओर अग्रसर

आलेख

संपूर्णा बैठक में होगा यह आह्वान

"संपूर्णा ने ठाना है, घर–घर में मास्क बनाना है"

–डॉ शोभा विजेंद्र
संपूर्णा संस्थापिका

लॉक डाउन में सामाजिक संस्था संपूर्णा के कार्यो की गति रुकनी नहीं चाहिए। हर प्रकल्प के माध्यम से समाज को उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिलना ही चाहिए।

वर्ष 2020 प्रारंभ से ही समस्त मानव जाति के लिए एक चेतावनी दे रहा है। वह बता रहा है कि प्रकृति और मनुष्य की आंख मिचोली में कभी भी मनुष्य, प्रकृति से ऊपर नहीं हो सकता है। यह वर्ष इस ब्रह्म वाक्य को पुनः आत्मसात करने का वर्ष है। यह वर्ष है कि जब हम सब भागदौड़ की जिंदगी से बचकर पुनः घर में बैठकर आत्मचिंतन करें।

मैं सच कहूं कि कई बार मेरे मन में भी यह विचार कौंधता है कि कई विषय ऐसे हैं जिसके लिए घर से भागने की कोई आवश्यकता नहीं होती है फिर भी हम हर दिन की शुरुआत सुबह भागने दौड़ने से ही करते थे। अक्सर देखने में आता है कि हम परिवार को चलाने के लिए जिन भौतिक वस्तुओं की आवश्यकता होती है उससे कहीं अधिक वस्तुओं को हम अपने जीवन में संग्रह कर लेते हैं और बाद का जीवन केवल और केवल उन्हें सहेजने, संभालने, और बचाने में ही चला जाता है।

संपूर्णा ने लोगों को प्रकृति के विषय को लेकर हमेशा से ही जागरुक करने का कार्य किया है। हमारे सभी प्रकल्प चाहे वह बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट हों, चाहे पुराने कपड़ों से कपड़े के

थैले बनाने का हो, चाहे मास्क बनाने का प्रोजेक्ट हो, या कूड़े के पृथक्कीकरण की बात हो संपूर्णा सदैव आगे रही है।

आज की विपरीत परिस्थितियों में भी संपूर्णा की बहनेअपने–अपने घरों से आरामदायक, सुंदर सूती कपड़े के मास्क बना रही हैं। इसकी हर तरफ़ प्रशंसा हो रही है।

कल शनिवार 9 मई 2020 को संपूर्णा एसोसिएट सदस्यों की मीटिंग पूर्वाहन 11:30 बजे जूम ऐप के माध्यम से होगी। आप सभी जूम ऐप एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विचार मीटिंग में रख सकते हैं।

संपूर्णा ने 05 मई से एक विषय को घर से उठाकर हर व्यक्ति के हृदय और मस्तिष्क में आरोपित करने का बीड़ा उठाया है। उस विषय पर भी कल होने वाली बैठक में गंभीरता से चर्चा होगी। मास्क बनाने हेतु आवश्यक सामान को एकत्र करने के लिए हम क्या कर सकते हैं? इस पर भी बातचीत की जाएगी।

मेरा आप सब से अनुरोध है कि संकट के इस काल में आज जब देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के साथ लगातार भूकंप, गैस रिसाव और आज 15 मजदूरों की दर्दनाक मौत के मामले सामने आ रहे हैं, तब हम सबको अपने देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी, अपने संतो ऋषि–मुनियों, वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, सफाई कर्मचारियों, परिवार चलाने वाली मांओ, बहनों पर विश्वास,आदर भाव रखते हुए आज से ही अपने घर में बचत पर बल देना होगा। लॉक डाउन के बाद का काल भारत के लिए कल्याणकारी वर्ष हो इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

.....